SELF REGULATION MOOTED BY OTT PLAYERS

Self-regulation is the new mantra mooted by the OTT majors. In a new development the Internet and Mobile Association of India (IAMAI) unveiled the Universal Self-Regulation Code for OCCPs ("Code"). This has been adopted and endorsed by Zee5, Viacom 18, Disney Hotstar, Amazon Prime Video, Netflix, MX Player, Jio Cinema, Eros Now, Alt Balaji, Arre, HoiChoi, Hungama, Shemaroo, Discovery Plus, Flickstree.

This will empower consumers with information and tools to assist them in making informed choice with regard to viewing decisions for them and their families, and also allow the nurturing of creativity and providing creators the freedom to tell good stories. The Code intends will provide India a dynamic self-regulation option to control the content.

The Universal Self-Regulation Code includes a framework for age classification and content descriptions for titles as well as access control tools. The Code also introduces a clear, transparent and structured grievance redressal and escalation mechanism for reporting non-compliance with the prescribed guidelines. As a part of this mechanism, each OCCP will set-up a Consumer Complaints Department and/or an internal committee as well as advisory panel which will deal with complaints, appeals and escalations. The advisory panel will constitute a minimum of three members, including an independent external advisor and two senior executives of the respective OCCP.

Tarun Katial, Chair, Digital Entertainment Committee, IAMAI, said, "The Universal Self-Regulation Code for OCCPs is built around a shared belief that consumer empowerment and creative excellence are key to the long-term success of the Indian entertainment industry. With the Framework for Age Classification, Content Descriptions and parental controls in combination with a grievance redressal system, we've made it easier for consumers to make the right viewing decisions for themselves and their families."

"The combination of empowering consumers and enabling creative excellence will help Online Curated Content Providers be at the forefront of taking the best stories from India to the world and bringing the finest stories from around the world to Indian consumers. Most of the major streaming services have adopted the Code and we look forward to others. ■

ओटीटी कंपनियों द्वारा स्व–नियमन पर विचार

स्व–नियमन ओटीटी की प्रमुख कंपनियों द्वारा विचार किया जाने वाला नया मंत्र है। एक नयी स्थिति विकास में इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आईएएमएआई) ने ओसीसीपी (कोड) के लिए यूनिवर्सल सेल्फ–रेगुलेशन कोड का अनावरण किया है। इसे जी 5, वायकॉम 18, डिज्नी हॉटस्टार, अमेजन प्राइम वीडियो, नेटफ्लिक्स, एमएक्स प्लेयर, जियोसिनेमा, एरोस नाउ, अल्ट बालाजी, अरे, होईचोई, हंगामा, सिमारू, डिस्कवरी प्लस, फ्लिक्स्ट्री ने अपनाया व समर्थन किया है।

यह सूचनाओं के साथ उपभोक्ताओं को उपकरणों व उन्हें उनके परिवार के लिए देखने के संबंध में सूचित विकल्प बनाने में सहायता करने के लिए सशक्त करेगा, साथ ही रचनात्मकता के पोषण और रचनाकारों को अच्छी कहानियां बताने की स्वतंत्रता प्रदान करेगा। कोड बनाने का इरादा कंटेंट को नियंत्रित करने के लिए भारत को गतिशील स्व–नियमन विकल्प प्रदान करेगा।

यूनिवर्सल सेल्फ रेगुलेशन कोड में उम्र के वर्गीकरण और शीर्षकों के लिए कंटेंट वितरण के साथ–साथ एक्सेस नियंत्रण के टूल्स के लिए रूपरेखा शामिल है। कोड निर्धारित दिश–निर्देशों का अनुपालन न करने के लिए एक स्पष्ट, पारदर्शी और संरचित शिकायत निवारण व वृद्धि तंत्र को भी प्रस्तुत करता है। इस तंत्र के एक हिस्से के रूप में प्रत्येक ओसीसीपी एक उपभोक्ता शिकायत विभाग और/या एक आंतरिक समिति के साथ–साथ सलाहकार पैनल की स्थापना करेगा जो शिकायतों, अपीलों व वृद्धि से निपटेगा। सलाहकार पैनल में न्यूनतम तीन सदस्य शामिल होंगे, जिसमें एक स्वतंत्र बाहरी सलाहकार और संबंधित ओसीसीपी के दो वरिष्ठ सदस्य शामिल होंगे।

डिजिटल एंटरटेनमेंट कमेटी, आईएएमएआई के अध्यक्ष तरूण कटियाल के मुताबिक, 'ओसीसीपी के लिए यूनीवर्सल सेल्फ रेगुलेशन कोड एक साझा धारणा के आसपास बनाया गया है कि उपभोक्ता सशक्तिकरण और रचनात्मक उत्कृष्टता भारतीय मनोरंजन उद्योग की दीर्घकालिन सफलता की कुंजी है। आयु वर्गीकरण, कंटेंट विवरण और अभिभावकों के लिए एक शिकायत निवारण प्रणाली के संयोजन में निमंत्रण के साथ, हमने उपभोक्ता के लिए अपने और अपने परिवार के लिए सही निर्णय लेने में आसान बना दिया है।'

उन्होंने बताया कि 'उपभोक्ता को सशक्त बनाने और रचनात्मक उत्कृष्टता को सक्षम करने का संयोजन ऑनलाइन क्यूरेटेड कंटेंट प्रदाताओं को भारत से दुनिया में सबसे अच्छी कहानियों को लेने और दुनियाभर के बेहतरीन कहानियों को भारतीय उपभोक्ताओं तक पहुंचाने में सबसे आगे होगा। अधिकांश प्रमुख स्ट्रीमिंग सेवाओं ने कोड को अपनाया है और अब हम ऐसा ही दूसरों से भी चाहते हैं। ■